महाराणा प्रताप महाविद्यालय
17/1/24
ग्रन्थालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

HND 302

B.A. Vth SEMESTER EXAMINATION, 2023-24

HINDI

(साहित्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना (द्वितीय))

(CBCS MODE)

AFFIX PRESCRIBED RUBBER STAMP

Date (तिथि) : ________________

Paper ID
(To be filled in the OMR Sheet)

1548

अनुक्रमांक (अंकों में) :
Roll No. (In Figures) | | | | | | | | | | | | | | | |

अनुक्रमांक (शब्दों में) : ______________________________

Roll No. (In Words) : ______________________________

Time : 1:30 Hrs. — **Max. Marks : 75**

समय : 1:30 घण्टे — **अधिकतम अंक : 75**

नोट : पुस्तिका में 50 प्रश्न दिये गये हैं, सभी प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 1.5 अंक का होगा।

Important Instructions :

1. The candidate will write his/her Roll Number only at the places provided for, i.e. on the cover page and on the OMR answer sheet at the end and nowhere else.
2. Immediately on receipt of the question booklet, the candidate should check up the booklet and ensure that it contains all the pages and that no question is missing. If the candidate finds any discrepancy in the question booklet, he/she should report the invigilator within 10 minutes of the issue of this booklet and a fresh question booklet without any discrepancy be obtained.

महत्वपूर्ण निर्देश :

1. अभ्यर्थी अपने अनुक्रमांक केवल उन्हीं स्थानों पर लिखेंगे जो इसके लिए दिये गये हैं, अर्थात् प्रश्न पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ तथा साथ दिये गये ओ०एम०आर० उत्तर पत्र पर, तथा अन्यत्र कहीं नहीं लिखेंगे।
2. प्रश्न पुस्तिका मिलते ही अभ्यर्थी को जाँच करके सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि इस पुस्तिका में पूरे पृष्ठ हैं और कोई प्रश्न छूटा तो नहीं है। यदि कोई विसंगति है तो प्रश्न पुस्तिका मिलने के 10 मिनट के भीतर ही कक्ष परिप्रेक्षक को सूचित करना चाहिए और बिना त्रुटि की दूसरी प्रश्न पुस्तिका प्राप्त कर लेना चाहिए।

1. व्यंजना शब्दशक्ति किससे सम्बन्धित है –

(A) मुख्यार्थ

(B) लक्ष्यार्थ

(C) व्यंग्यार्थ

(D) इनमें से कोई नहीं

2. जो तत्व काव्य–सौन्दर्य की हानि करते हैं, कहलाते हैं –

(A) काव्यगुण

(B) अलंकार

(C) रस

(D) काव्यदोष

3. काव्य के सौन्दर्य बढ़ाने वाले तत्व कहलाते हैं –

(A) दोष

(B) गुण

(C) शब्दशक्ति

(D) कल्पना

4. भरतमुनि और दण्डी ने गुणों की संख्या कितनी स्वीकार की है –

(A) 20

(B) 10

(C) 40

(D) 30

5. भरतमुनि ने गुणों की संख्या मानी है –

(A) तीन

(B) आठ

(C) दस

(D) इनमें से कोई नहीं

6. 'गुण काव्य के धर्म हैं, काव्यांग अर्थात् शब्द, अर्थ आदि के नहीं।' यह मत है –

(A) भरतमुनि का

(B) आनन्दवर्धन का

(C) दण्डी का

(D) इनमें से कोई नहीं

7. ध्वनिवादी आचार्यों ने गुण माने हैं –

(A) माधुर्य गुण

(B) ओज गुण

(C) प्रसाद गुण

(D) उपर्युक्त सभी

8. 'माधुर्य गुण' प्रयुक्त होता है –

(A) वीर रस में

(B) श्रृंगार रस में

(C) वीभत्स रस में

(D) इनमें से कोई नहीं

9. काव्य दोषों का सर्व प्रथम निरूपण मिलता है –

(A) 'नाट्यशास्त्र' के ग्रन्थ में

(B) 'काव्यालंकार' के ग्रन्थ में

(C) (A) और (B) दोनों में

(D) इनमें से कोई नहीं

10. काव्य में अनावश्यक शब्दों का प्रयोग होने पर दोष है –

(A) अक्रमत्व दोष

(B) दुष्क्रमत्व दोष

(C) अधिकपदत्व दोष

(D) न्यूनपदत्व दोष

11. दृष्टकूट पदों में दोष पाया जाता है –

(A) अप्रतीतत्व दोष

(B) क्लिष्टतत्वं दोष

(C) ग्राम्यत्व दोष

(D) न्यूनपदत्व दोष

12. प्रथमा या अग्रिमा शब्दशक्ति के नाम से अभिहित किया जाता है –

(A) व्यंजना शब्द शक्ति को

(B) लक्षणा शब्द शक्ति को

(C) अभिधा शब्द शक्ति को

(D) इनमें से कोई नहीं

13. शब्द शक्ति के भेद हैं –

(A) दो

(B) तीन

(C) पाँच

(D) इनमें से कोई नहीं

14. 'उसका घर गंगा में है' शब्द शक्ति है –

(A) व्यंजना शब्दशक्ति का

(B) लक्षणा शब्दशक्ति का

(C) अभिधा शब्दशक्ति का

(D) उपर्युक्त सभी

15. शब्द शक्ति का महत्व है –

(A) शब्द शक्ति से ही अर्थ का बोध होता है

(B) बिना अर्थ का उचित बोध किए काव्यार्थ की प्रतीति नहीं हो सकती

(C) (A) और (B) दोनों सही है

(D) इनमें से कोई नहीं

16. 'नाट्यशास्त्र' रचना है –

(A) आचार्य भरतमुनि की

(B) दण्डी की

(C) विश्वनाथ की

(D) मम्मट की

17. आचार्य भामह ने गुणों का उल्लेख किया है –

(A) तीन

(B) चार

(C) दो

(D) पाँच

18. 'गुण काव्य के उत्कर्ष के साधन हैं' यह कथन है –

(A) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(B) डॉ० रामविलास शर्मा

(C) डॉ० नगेन्द्र

(D) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

19. जिस काव्य को पढ़ने या सुनने से हृदय में ओज, उमंग और उत्साह का संचार होता है, उसे कहते हैं –

(A) ओज गुण

(B) माधुर्य गुण

(C) प्रसाद गुण

(D) इनमें से कोई नहीं

20. अभिधा शब्द शक्ति के भेद हैं –

(A) रूढ़ि शब्द शक्ति

(B) यौगिक शब्द शक्ति

(C) योग रूढ़ि शब्द शक्ति

(D) उपर्युक्त सभी

21. 'प्रतीक' का अर्थ है –

(A) कल्पना

(B) संकेत

(C) छाया

(D) कला

22. प्रतीकवाद के जनक माने जाते हैं –

(A) वादलेयर

(B) स्टीफेन जार्ज

(C) बटलर येट्स

(D) जीन मोरआस

23. बिम्बवादी आन्दोलन के सूत्रधार कौन थे ?

(A) एजरा पाउण्ड

(B) रामचन्द्र शुक्ल

(C) टी० ई० ह्यूम

(D) डॉ० नगेन्द्र

24. 'दृश्य बिम्ब' का सम्बन्ध होता है –

(A) मस्तिष्क से

(B) नेत्रों से

(C) कल्पना से

(D) विचारों से

25. काव्य–सर्जना का मूल आधार तत्व है –

(A) प्रतीक

(B) कल्पना

(C) बिम्ब

(D) फैन्टेसी

26. कल्पना का प्रधान गुण है –

(A) रचनाशीलता

(B) सौन्दर्यबोध

(C) अनुभूति

(D) यथार्थ

27. "कल्पना के द्वारा ही काव्य ग्राह्य, मर्मस्पर्शी और सजीव बनता है" किसका कथन है –

(A) प्लेटो

(B) अरस्तू

(C) कॉलरिज

(D) रिचर्डस्

28. कल्पना के भेद हैं –

(A) मुख्य कल्पना

(B) गौण कल्पना

(C) (A) और (B) दोनों सही हैं

(D) इनमें से कोई नहीं

29. ऐन्द्रिय बिम्ब का भेद नहीं है –

(A) चाक्षुष बिम्ब

(B) स्मृति बिम्ब

(C) श्रव्य या नादात्मक बिम्ब

(D) घ्राण – बिम्ब

30. "बिम्ब वह शब्द–चित्र है, जो कल्पना के द्वारा ऐन्द्रिय अनुभवों के आधार पर निर्मित होता है।"– यह परिभाषा है –

(A) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की

(B) डॉ० नगेन्द्र की

(C) डॉ० केदार नाथ सिंह की

(D) इनमें से कोई नहीं

31. 'बिम्ब' योजना का कार्य है –

(A) काव्यार्थ को पूर्णतया स्पष्ट करना

(B) भाव को संप्रेषित एवं उत्तेजित करना

(C) वस्तु या घटना को प्रत्यक्ष करना

(D) उपर्युक्त सभी

32. "मधुमय वसंत जीवन वन के" इस पंक्ति में वसंत प्रतीक है –

(A) यौवन का

(B) वृद्धावस्था का

(C) सौन्दर्य का

(D) माधुर्य का

33. 'दिवास्वप्नात्मक' अथवा दुःस्वप्नात्मक बिम्ब का दूसरा नाम है –

(A) प्रतीक

(B) फैन्टेसी

(C) कल्पना

(D) मिथक

34. 'कल्पना' सिद्धान्त के प्रमुख विचारक हैं –

(A) कॉलरिज

(B) अरस्तू

(C) वर्डस्वर्थ

(D) आई० ए० रिचर्ड्स

35. 'फैंटेसी' शब्द का निर्माण हुआ है –

(A) यूनानी शब्द 'फैंटेसिया' से

(B) अंग्रेजी के 'मिथ' से

(C) ग्रीक शब्द के 'माइथोस' से

(D) इनमें से कोई नहीं

36. 'प्रतीक' की विशेषताएं है –

(A) प्रतीक अप्रस्तुत का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रस्तुत का नाम है

(B) वह तुरन्त मन में किसी भावना को जाग्रत कर देता है

(C) उस पर युग, देश, संस्कृति तथा मान्यताओं की छाप रहती है

(D) उपर्युक्त सभी

37. 'काहे री नलिनी तू कुम्हिलानी' में तत्व है –

(A) फैंटेसी का

(B) बिम्ब का

(C) मिथक का

(D) प्रतीक का

38. जॉन मोरआस ने 'फिगरो' नाम के पत्र में 'प्रतीकवाद' का घोषणा पत्र प्रकाशित कराया –

(A) सन् 1886 ई० में

(B) सन् 1882 ई० में

(C) सन् 1890 ई० में

(D) इनमें से कोई नहीं

39. 'कल्पना' को नैतिक शक्ति कहा है –

(A) प्लेटो ने

(B) शेली ने

(C) ब्रैडले ने

(D) इनमें से कोई नहीं

40. 'काव्य में अर्थ–ग्रहण मात्र से काम नहीं चलता, बिम्ब–ग्रहण अपेक्षित होता है, – कथन है –

(A) नगेन्द्र का

(B) केदारनाथ सिंह का

(C) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का

(D) भागीरथ मिश्र का

41. 'छायावाद, रहस्यवाद, प्रगतिवाद, और प्रयोगवाद' का विवेचन नामवर सिंह के किस पुस्तक में हुआ–

(A) 'आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ' में

(B) 'दूसरी परम्परा की खोज' में

(C) 'इतिहास और आलोचना' में

(D) इनमें से कोई नहीं

42. 'छायावाद' में एक नूतन सांस्कृतिक मनोभावना का उद्‌गम है और एक स्वतन्त्र दर्शन की नियोजना भी' यह कथन है –

(A) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का

(B) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का

(C) नन्द दुलारे वाजपेयी का

(D) इनमें से कोई नहीं

43. 'लोकहृदय में लीन होने की दशा का नाम रस–दशा है।' यह कथन है –

(A) महावीर प्रसाद द्विवेदी का

(B) शांतिप्रिय द्विवेदी का

(C) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का

(D) इनमें से कोई नहीं

44. 'कहानी नई कहानी' कृति है –

(A) डॉ० नन्द दुलारे वाजपेयी की

(B) डॉ० नामवर सिंह की

(C) डॉ० नगेन्द्र की

(D) इनमें से कोई नहीं

45. 'आस्था और सौन्दर्य' के लेखक है –

(A) मुक्तिबोध

(B) रामविलास शर्मा

(C) नामवर सिंह

(D) इनमें से कोई नहीं

46. हजारी प्रसाद द्विवेदी ने श्रेष्ठ साहित्य का प्रतिमान माना है –

(A) मनुष्य सत्य को

(B) मनुष्य की श्रेष्ठता को

(C) चिन्मुखी मानवता को

(D) उपर्युक्त सभी को

47. हजारी प्रसाद द्विवेदी ने काव्य–सिद्धान्तों को स्वीकार किया है –

(A) साहित्य शासक के रूप में

(B) साहित्य नियन्त्रक के रूप में

(C) 'साहित्य के सहचर' के रूप में

(D) इनमें से कोई नहीं

48. डॉ० नगेन्द्र काव्य के तीन तत्वों में से प्रमुख मानते हैं –

(A) 'कल्पना' को

(B) 'भाव' को

(C) 'बुद्धि' को

(D) इनमें से कोई नहीं

49. डॉ० नगेन्द्र की काव्य–दृष्टि महत्व देती है –

(A) 'रस' को

(B) सौन्दर्य को

(C) आनन्द की 'आत्मनिष्ठ स्थिति को

(D) उपर्युक्त सभी को

50. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की मूलभूत धारणा है –

(A) मनुष्य लोक–बद्ध प्राणी है

(B) लोक के भीतर ही उसके ज्ञान और भाव–क्षेत्रों का प्रसार होता है

(C) लोक की समस्त अनुभूतियाँ सुखात्मक–दुःखात्मक होती हैं

(D) उपर्युक्त सभी

*****